Headmasters Forum, Tirur
UJJWALAM
Hindi
प्रश्न पत्र 1 उत्तर सूचिका

1. पैन में स्याही भरवाने के लि ए दोनों दुकान पर पहुँचे। 1
2. जाते हैं। 1
3. नई चीज़ें मिलने की प्रतीक्षा में अपने पास की चीज़ें के नष्ट नहीं करना है। इसलिए दूकानदार ने कहा बादल के देखकर घड़े के नहीं ढुलाना चाहिए। 2
4. स्थान :गाँव की स्टेशनरी की दुकान।
   समय :सुबह 10 बजे।
   पात्र :साहिल,बेला और दुकानदार।
   आयु तथा वेशभूषा :10 साल के बच्चे स्कूल वर्दी पहने है, 50 साल के दुकानदार कुर्ता पहने हैं।

दृश्य :-बेला और साहिल पैन में स्याही भरवाने केलिए दुकान के पास खड़े हैं।

बेला : भाई, एक पैन स्याही भर दो।
दुकानदार: बेटा, स्याही की बोतल अभी-अभी खाली हो गया।
साहिल: बाप रे। क्या करूँ मैं ?
बेला : इसने पैन में बची हुई स्याही को ज़मीन पर छिड़का था।
दुकानदार: बादल को देखकर घड़े को नहीं ढुलाना चाहिए।
साहिल: आज मैं कैसे लिखूँ ?
दुकानदार: बेटा, स्याही कल ही मिलेगी। कौन-सी कक्षा में हो ?
साहिल: पाँचवीं में। 4

5. बेला : एक पैन स्याही भर दो।
   दुकानवाले : बेटा, स्याही की बोतल अभी-अभी खाली हो गई है।
   साहिल : तो क्या करें ?
   बेला : इसने पैन में बची हुई स्याही को ज़मीन पर छिड़का था।
   दुकानदार: बादल को देखकर घड़े को नहीं ढुलाना चाहिए।
   साहिल: आज मैं कैसे लिखूँ ?
   दुकानदार: बेटा, स्याही कल ही मिलेगी। कौन-सी कक्षा में पढ़ते हो ?
   साहिल: पाँचवीं कक्षा में। 4

6. हताशा से जानना। 1
7. नरेश सक्सेना 1
8. कवि व्यक्ति की हताशा को जानता था। 1

9. मैंने हाथ बढ़ाया। **1**

10. मशहूर कवि विनोद कुमार शुक्ल की जानना शब्द की हमारी जानी पहचा नी रूढ़ी को तोड़नेवाली कविता है हताशा से एकव्यक्ति बैठ गया था । कविता में कवि कहते हैं कि रास्ते पर हताशा से बैठे एक व्यक्ति को देखते ही वे उसकी समस्या जल्दी से पहचान लेते हैं। आपस में न जानने पर भी हाथ बढ़ाकर कवि उसकी सहायता करते हैं। एक दूसरे को न जानने पर साथ चलना शुरू करते हैं। कविता के द्वारा व्यक्ति को जानने की हमारी जानी पहचानी रूढ़ियों को कवि तोड़ दिये हैं। व्यक्ति को जानने के बदले उसकी आवश्यकता या समस्या को पहचानकर मदद करने को कवि याद दिलाती है। आज की स्वार्थी दुनिया में मनुष्य को मनुष्य की तरह देखने की संदेश कवि देते हैं। आज की समाज में कविता की प्रासंगिकता सर्वकालिक है। कविता में सरल भाषा का प्रयोग किया है। 4

11. **4**

'जानना' का रूढि ग्रस्त आधार।	**'जानना' का असली आधार।**
व्यक्ति का नाम	**व्यक्ति की हताशा**
व्यक्ति का पता	**व्यक्ति की निराशा**
व्यक्ति का उम्र	**व्यक्ति की असहायता**
व्यक्ति का ओहदा	**व्यक्ति का संकट**
व्यक्ति का जाति	**व्यक्ति की संवेदना**

12. साहि ल के सामने बेला लज्जि त होना नहीं चाहती। **1**

13. मुँह की ओर देखना। **1**

14. बेला को लज्जा का अनुभव हो रहा था। **1**

15. बेला खुद को शर्मिंदा महसूस कर रही थी। क्योंकि वह जानती थी कि साहिल के सामने वह बहुत अच्छी लड़की है। लेकिन अब साहिल के सामने माटसाब ने उसे पीट लिया है। **2**

16. हो जाएगा **1**

17. **2**

खराब हो गया।

मन खराब हो गया।

बेला का मन खराब हो गया।

बेला का मन बहुत खराब हो गया।

18. <u>बेला का पत्र</u>

स्थान:
तारीख:

प्रिय सहेली माया,

आज शायद मेरे लिए अच्छा दिन नहीं। ऐसा एक दिन ज़िन्दगी में कभी नहीं हुआ। साहिल के सामने यह अपमान! सोच भी नहीं सकती। स्कूल में गणित का पीरियड था। क्लास में आते ही माटसाब कॉपी जाँचने लगे। कॉपी जाँचते वक्त माटरजी की नज़र मुझपर पडी। मैं ने तो कॉपी लिखी थी। फिर भी.....। बिना कुछ कहे मास्टर जी ने मेरा बाल पकडकर फेंका। सब बच्चें की नज़र मुझपर पडी। मेरे भयभीत चेहरे को देखकर साहिल बुरी तरह डर गया था। मैं ने उसकी ओर देखा ही नहीं। कुछ समय के बाद मास्टर जी ने कॉपी मेरे बैठने की जगह पर फेंकी और मुझसे बैठने को कहा। मुझे अब भी पता नहीं कि मेरी गलती क्या थी ? ऐसा अनुभव जीवन में कभी नहीं हुआ है। यादें मन से दूर होती ही नहीं। एक दुर्दिन की समाप्ति। **4**

19. <u>बेला की डायरी</u>

12 जून 2021
मंगलवार

कैसे भूलूँ यह दिन... आज एक बुरा दिन था। खेल घंटी बंद होने से दो मिनिट पहले ही मैं अपनी जगह पर आकर बैठ गयी थी। माटसाब ने नोट जाँचते समय अचानक मेरे बाल में पंजा फंसाया। मेरी गलती क्या थी? पता नहीं। थोड़ी देर बाद उन्होंने मुझे छोड़ दिया। मेरा भयभीत चेहरा देखकर साहिल भी बुरी तरह डर गया था। मेरा मन बहुत खराब हो गया था। माटसाब मुझे पीट लेते मगर साहिल के सामने..... उसकी दृष्टी में मैं एक अच्छी लड़की थी। अब कैसे उसे नज़र मिलाऊँ। नींद आती है।.....। 4

ഉജ്ജ്വലം 2021

ANSWER KEY
HINDI
VERSION A

1. लघु मानव । **1**

2. आश्रय । **1**

3 **4**

मुझे फेंको मत

आधुनिक हिंदी साहित्य के एक प्रमुख साहित्यकार हैं धर्मवीर भारती। वे कवि है, नाटककार है और सामाजिक विचारक भी। उनकी एक बहुचर्चित कविता है 'टूटा पहिया'। यह पुराण पर आधारित एक प्रतीकात्मक रचना है।

इस कविता का पात्र अभिमन्यु एक प्रतीक है। अधर्म से लड़नेवाले एक मानव का प्रतीक। अधर्मियों से रचे गए चक्रव्यूह में, अंत में एक रथ का टूटा हुआ पहिया निरायुध अभिमन्यु का सहारा बनता है। कवि कहना चाहते हैं कि किसी को तुच्छ समझकर मत छोड़ना। किसी न किसी रूप में तुच्छ चीज़ें भी हमारी समस्याओं में काम आएगी। यहाँ चक्रव्यूह समस्याओं का प्रतीक है। बदलती हुई सामूहिक गति अधर्म की ओर हो जाए तो सत्य का पक्ष टूटे पहिए का भी सहारा लेने के लिए विवश हो जाता है।

कवि कहना चाहते हैं कि अंतिम विजय अधर्मियों का नहीं धर्मियों का है। अधर्म के विरुद्ध लड़नेवालों को कहीं से सहारा मिल ही जाएगा। कविता का संदेश यही है।

4. सच्चाई टूटे पहियों का आश्रय लें । 1

5. के । **1**

6. **4**

आई एम कलाम के बहाने

फिल्म **का प्रदर्शन**

8 फरवरी 2021
सबेरे 10 बजे

स्कूल सभा गृह में

निर्देशक
नील माधव पांड़े

आईए ,देखिए

छोटु और रणविजय की दोस्ती की कहानी

7 **4**

कलाम	कलाम जैसा बनना चाहता था ।
मिहिर	स्कूल जाने में रोया करता था ।
मोरपाल	छाछ का डिब्बा लाता था ।
रणविजय	परीक्षा से डरता था ।

8 गीत चतुर्वेदी 1

9. वह+को

10 चार्ली का शो देखकर दर्शकों ने माँ से उसकी प्रशंसा की। 1

11. 4

1 अक्तूबर 2019

आज का दिन मैं कैसे भूलूँ ? दुख और खुशी भरा दिन ।मेरा चार्ली आज शो मैन बन गया ।लगता है मैं आगे गा नहीं पाऊँगी ।गले में खराबी है।गाते वक्त मेरी आवाज़ को फटते देखकर मैनेजर के साथ वह स्टेज पर लाया गया ।मैं बहुत डर गई थी।लेकिन चार्ली ने मासूमियत से, गीत गाकर,बातचीत करके ,नृत्य करके और गायकों की नकल उतारकर, दर्शकों में गुदगुदी फैला दी।पैसों की बौछार भी हुई।मेरी फटी आवाज का नकल भी उसने किया।हे भगवान! आगे भी मेरे बच्चे की ख्याल रखें ।

12. कलाम जैसा बनना। 1

13. छोटु खुद ही अपना नाम कलाम रख लेता है।इस नाम में उसकी आकांक्षाओं का अक्स है।उसके हाथ की बनाई चाय में जादू है। 2

14. 2

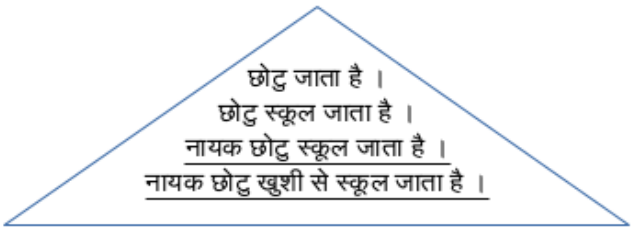

15. माँ का । 1

16.पाँच साल का बच्चा इस उग्र भीड़ को झेल पाएगा! यही माँ का डर है। 2

17. 4

माँ : गा नहीं पा रही हूँ साब ।

मैनेजर : क्यों ? क्या हुआ ?

माँ : पता नहीं,मेरी आवाज़ फट रही है।

मैनेजर : अब क्या करें ? लोग बहुत शोर मचा रहे हैं ।

मैं : मैं क्या करूँ ? आप ही बताईए।

मैनेजर : चार्ली को स्टेज पर भेज दूँ।

मैं : चार्ली को ? नहीं । वह तो बच्चा है न ?

मैनेजर : तो क्या ? मैं ने उसे अभिनय करते हुए देखा है।

मैं : इस उग्र भीड को वह कैसे संभालेगा ?

मैनेजर : चिंता की कोई बात नहीं। वह जरूर इस भीड को शांत करेगा।

मैं : तो ठीक है।आप की मर्जी।

18 . हम दूसरा पानी लाए देते हैं। 1

19 . 4

गंगी का चरित्र - चित्रण

हिंदी के कहानी सम्राट प्रेमचंद की कहानी 'ठाकुर का कुआँ' की नायिका है गंगी। वह रिवाज़ी पाबंदियों के विरुद्ध आवाज़ उठानेवाली अनोखी ग्रामीण महिला है। निम्नजातिवाली गंगी को कई सामाजिक कुरीतियों की शिकार बन पडी है।

उसके पति जोखु कई दिनों से बीमार पडा है। पानी में सख्त बदबू के कारण वह घर का पानी पी न सका। ठाकूर और साहू के घर में कुएँ थे। मगर वे अपने घर के कुएँ से पीने का पानी भी नहीं देते।

सारी पाबंदियों को तोड़कर गंगी रात को चुपके से ठाकुर के कुएँ से पानी लेने का साहस करती है। उसने सोचा कि हम क्यों नीच हैं? वे क्यों ऊँच हैं? चोरी ये करते हैं, जाल-फरेब ये करते हैं, झूठे मुकदमे करते हैं। फ़िकर किस बात में ये लोग ऊँच हैं?

पानी लेने ठाकुर के कुएँ की जगत पर चढते समय उसके मन में विजेता की अनुभूति हुई। मगर वह सफल नहीं हुई, ठाकुर के आने के कारण उसको पानी छोडकर भागना पडा।

जातिप्रथा के शिकार होने पर भी गंगी विद्रोही नारी थी। अनपढ़ थी वह। पति से बहुत प्यार करनेवाली गंगी ठाकुर के कुएँ से पानी लेने का साहस करती थी। प्रेमचंदजी के ज़्यादतर नारी पात्रों में विद्रोह और साहस दिखाई पड़ते हैं।

Headmasters Fourm,Tirur

Ujjwalam

Hindi

उत्तर सूचिका **Version B**

1.तारीफ़ करना (1)

2.पाँच साल का लड़का चार्ली ने मशहूर गीत ' जैक जोन्स' गाना गाया। उसने नृत्य किया और अपनी माँ सहित कई गायकों की नकल की। चार्ली ने दर्शकों से बातचीत की। ये सब देखकर दर्शकों ने खडे होकर तालियाँ बजाई(2)

3. गीत चतुर्वेदी (1)

4. वह+ को (1)

5. चार्ली का शो देखकर दर्शकों ने माँ से उसकी प्रशंसा की। (1)

6. (1)

चार्ली स्टेज पर पहली बार आया।	माँ स्टेज पर आखिरी बार आयी।

7.चार्ली स्टेज पर पहली बार आया। (1)

8. चार्ली की मासूमियत से प्रभावित था। (1)

9. 15 सितंबर 1880

इस दिन ज़िंदगी में नहीं भूलूँ। गाते-गाते मेरी आवाज़ फट गई । मेरे गले से फुसफुसाहट ही बाहर निकली। लोग अभद्र शोर से मैनेजर मुझे अंदर बुलाया। चार्ली को मैनेजर मेरे दोस्तों के सामने अभिनय करते हुए देखा था। इसलिए उन्होंने चार्ली को स्टेज भेजने के लिए ज़िद्द करने लगे। लेकिन मेरे बेटे ने कमाल कर दिया। अंत में लोगों ने मुझसे हाथ मिलाकर चार्ली की तारीफ़ की। (4)

10. (4)

कमाल कर दिया-पाँच साल का बच्चा

लंदन : कल आलडर शॉट थियटर में पॉच साल का लड़का दर्शकों के सामने कमाल कर दिखाया। मशहूर गायिका हेन्ना को गाते समय गला खराब होने से स्टेज से हटना पड़ा। लेकिन उसके पाँच साल का बच्चा चार्ली अपनी नृत्य, गीत और मासूमियत से लोगों को वश में कर लिया। उसने दर्शकों से बातचीत की, नृत्य किया और अपनी माँ सहित कई गायकों की नकल उतारी। दर्शक खडे होकर तालियाँ बजाकर चार्ली को प्रोत्साहित करने लगे। लोगों का कहना है कि निश्चय ही चार्ली एक बड़ा कलाकार बन जाएगा।

11. (2)

यह पहला शो था।

यह शो मैन का पहला शो था।

यह सबसे बडे शो मैन का पहला शो था।

यह दुनिया के सबसे बडे शो मैन का पहला शो था।

12. रणविजय की हिंदी इतनी अच्छी नहीं। (1)

13 (4)

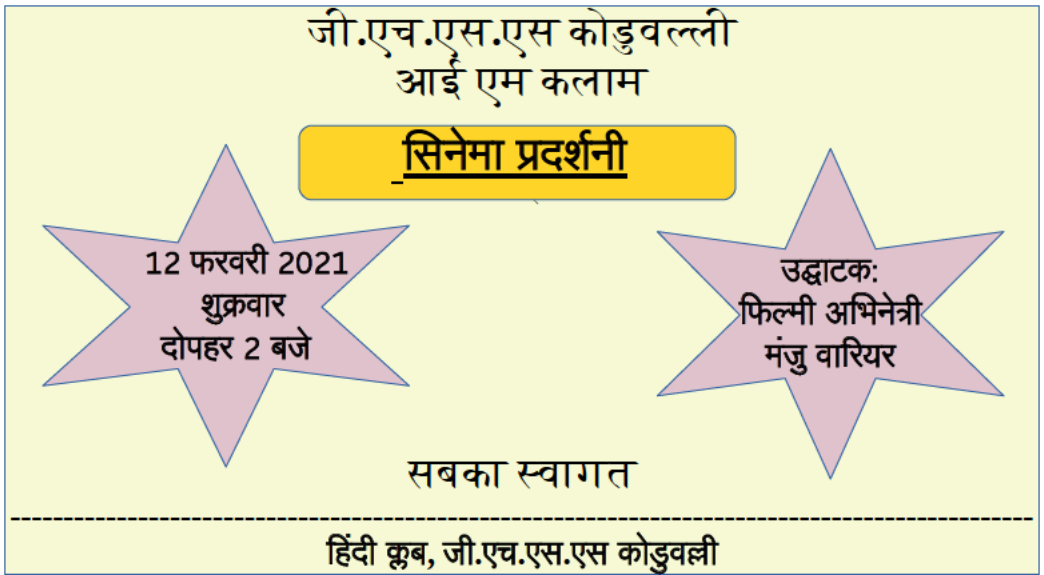

14. (4)

रणविजय: हाय! कलाम
कलाम: हाय! रणविजय तुम परेशान क्यों?
रणविजय: स्कूल में भाषण प्रतियोगिता है।
कलाम: इसमें परेशानी क्या है?
रणविजय: मुझे भाषण देना है।
कलाम: वह तो अच्छी बात है।
रणविजय: दोस्त, मेरी हिंदी इतनी अच्छी नहीं है।
कलाम: मैं....हूँ ना यार, मैं लिख दूँगा।
रणविजय: सच!
कलाम: सच। तुम मुझे अंग्रेज़ी सिखा दो।
रणविजय: मैं तुम्हें सिखा दूँगा।

15. बडे-बडे महारथी का (1)

16. असत्य (1)

17. बडे-बडे (1)

18. (4)

मुझे फेंको मत

आधुनिक हिंदी साहित्य के एक प्रमुख साहित्यकार है धर्मवीर भारती। वे कवि हैं, नाटककार हैं और सामाजिक विचारक भी। उनकी एक बहुचर्चितकविता है ' टूटा पहिया' । यह पुराण पर आधारित एक प्रतीकात्मक रचना है।

इस कविता का पात्र अभिमन्यु एक प्रतीक है। अधर्म से लड़नेवाले एक मानव का प्रतीक। अधर्मियों से रचे गए चक्रव्यूह में, अंत में एक रथ का टूटाहुआ पहिया निरायुध अभिमन्यु का सहारा बनता है। कवि कहना चाहते हैं कि किसी को तुच्छ समझकर मत छोडना। किसी न किसी रूप में तुच्छ चीज़ेंभी हमारी समस्याओं में काम आएगी। यहाँ चक्रव्यूह समस्याओं का प्रतीक है। बदलती हुई सामूहिक गति अधर्म की ओर हो जाए तो सत्य का पक्ष टूटे पहिए का भी सहारा लेने के लिए विवश हो जाता है।

कवि कहना चाहते हैं कि अंतिम विजय अधर्मियों का नहीं धर्मियों का है।अधर्म के विरुद्ध लडनेवालों को कहीं से सहारा मिल ही जाएगा। कविता का संदेश यही है।

19. (2)

गोआ में जीवन बहुत सस्ता है।	सही
गोआ में रहने-खाने की हर सुविधा नहीं है।	गलत
गोआ में प्राकृतिक रमणीयता है।	सही

20. क) पश्चिमी तट का सबसे सुंदर स्थान गोआ है। (1)

21. गोआ में रहने-खाने की हर सुविधा बहुत थोडे पैसों में प्राप्त हो सकती है।
इसलिए गोआ की ज़िंदगी सस्ती होगी। (2)